

ब्यूज टुडे

UNESCO की "मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची" में 'दीपावली' को शामिल किया गया

यह घोषणा नई दिल्ली के लाल किले में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की अंतर-सरकारी समिति के 20वें सत्र के दौरान की गई थी। यह पहली बार है, जब भारत UNESCO की इस समिति के सत्र की मेजबानी कर रहा है।

➤ दीपावली के सूचीबद्ध होने के साथ, अब इस सूची में भारत की 16 सांस्कृतिक विरासत शामिल हो गई हैं (इन्फोग्राफिक देखें)।

दीपावली/ दिवाली के बारे में

➤ यह त्यौहार कार्तिक अमावस्या पर, अक्टूबर/ नवंबर माह में मनाया जाता है। यह सभी व्यक्तियों के लिए समृद्धि, नवीनीकरण और आधिक्य का प्रतीक है।

➤ यह एक वार्षिक त्यौहार है, जो 5 दिनों तक चलता है।

⊕ इसमें निम्नलिखित उप-त्यौहार शामिल हैं-

- धनतेरस: लोग समृद्धि के प्रतीक के रूप में धातु के बर्तन खरीदते हैं;
- नरक चतुर्दशी: नकारात्मकता को दूर करने के लिए दीपक जलाए जाते हैं;
- पवित्र लक्ष्मी-गणेश पूजा की जाती है; और
- भाई दूज: यह भाई-बहन के प्रेम बंधन का प्रतीक है।

➤ दीपावली से संबंधित किंवदंतियां:

- ⊕ रामायण: यह भगवान राम, सीता और लक्ष्मण के 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने तथा रावण पर उनकी विजय का प्रतीक है।
- ⊕ महाभारत: यह पांडवों के वनवास के बाद लौटने का प्रतीक है।



UNESCO की "मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (ICH) सूची" के बारे में

➤ उत्पत्ति: ICH अभिसमय की 17 अक्टूबर 2003 को पेरिस में UNESCO के 32वें आम सम्मेलन के दौरान अपनाया गया था।

➤ उद्देश्य: अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (ICH) की सुरक्षा करना, जो समुदायों के भीतर पीढ़ियों से चली आ रही प्रथाओं, प्रस्तुतियों, अभिव्यक्तियों और ज्ञान को संदर्भित करती है।

⊕ परिभाषा (अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर अभिसमय के अनुसार): ICH में निम्नलिखित शामिल हैं-

- मौखिक परंपराएं और अभिव्यक्तियां;
- निष्पादन कलाएं;
- सामाजिक प्रथाएं,
- अनुष्ठान और त्यौहार;
- प्रकृति एवं ब्रह्मांड से संबंधित ज्ञान व प्रथाएं;
- पारंपरिक शिल्प कौशल आदि।

➤ राज्य पक्षकारों की महासभा (General Assembly of the State Parties): यह एक संप्रभु निकाय है, जो प्रत्येक दो वर्षों में साधारण सत्र में बैठक करता है।

➤ राज्य पक्षकारों का उत्तरदायित्व: ICH का संरक्षण पक्षकारों की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।



UNESCO की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत, भारत

2008	कुटियाट्टम (संस्कृत रंगमंच); वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा और रामलीला।
2009	रम्माण (गढ़वाल हिमालय का धार्मिक उत्सव और आनुष्ठानिक रंगमंच)।
2010	छऊ नृत्य; कालबेलिया (राजस्थान का लोक गीत और नृत्य) तथा मुडियेट्टु: (केरल का आनुष्ठानिक रंगमंच और नृत्य नाटक)।
2012	लद्दाख का बौद्ध मंत्रोच्चार।
2013	संकीर्तन (मणिपुर)।
2014	पंजाब के जंडियाला गुरु में ठठेरों द्वारा निर्मित पारंपरिक पीतल और तांबे के बर्तन।
2016	योग, नवरोज़।
2017	कुंभ मेला।
2021	दुर्गा पूजा (कोलकाता)।
2023	गढबा (गुजरात)।
2025	दीपावली।

विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 जारी की गई

यह रिपोर्ट 'विश्व असमानता रिपोर्ट' का तीसरा संस्करण है। इससे पहले यह रिपोर्ट 2018 और 2022 में जारी की गई थी। यह रिपोर्ट वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब तैयार करता है। रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- वैश्विक संपत्ति (Wealth) का संकेंद्रण: विश्व के सबसे धनी 1% लोगों के पास विश्व की 37% संपत्ति है। वहीं, विश्व के सबसे धनी 10% लोगों के पास विश्व की 75% संपत्ति है।
 - ⊕ भारत के सबसे धनी 1% लोगों के पास देश की लगभग 40% संपत्ति है। वहीं, भारत के सबसे धनी 10% लोगों के पास देश की लगभग 65% संपत्ति है।
- वैश्विक आय (Income) का संकेंद्रण: विश्व के सबसे धनी 10% लोग विश्व की 53% आय अर्जित करते हैं।
 - ⊕ भारत के सबसे धनी 1% लोग देश की लगभग 23% आय अर्जित करते हैं। वहीं भारत के सबसे धनी 10% लोग राष्ट्रीय आय का 58% अर्जित करते हैं।
- संपत्ति संवृद्धि: 1990 के दशक से विश्व में अरबपतियों की संपत्ति 8% वार्षिक की दर से बढ़ी है। यह विश्व की सबसे कम आय वाली आधी आबादी की आय-वृद्धि की तुलना में लगभग दोगुनी दर है।
- जलवायु परिवर्तन में योगदान के स्तर पर असमानता: विश्व के सबसे धनी 10% लोग विश्व में 77% कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं। वहीं, सबसे निर्धन 50% लोग केवल 3% उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं।
- संरचनात्मक असंतुलन: प्रत्येक वर्ष ग्लोबल साउथ के देशों से ग्लोबल नॉर्थ के देशों में वैश्विक GDP के 1% से अधिक राशि स्थानांतरित होती है। यह राशि विकास सहायता के रूप में मिलने वाली राशि से 3 गुनी अधिक है।
 - ⊕ ग्लोबल साउथ के देश कर्ज के ब्याज और मूलधन के भुगतान, लाभ के भुगतान और वित्तीय निवेश के रूप में राशि भेजते हैं।

रिपोर्ट में किए गए नीतिगत सुझाव

- प्रगतिशील कर प्रणाली और कर-न्याय लागू करना: अरबपतियों पर वैश्विक न्यूनतम कर (Global minimum tax) लागू किया जाए। टैक्स चोरी रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाया जाए। इससे जन-सेवाओं के लिए संसाधन उपलब्ध हो सकेगा और असमानता कम होगी।
- लोक सेवाओं में निवेश बढ़ाना: उच्च गुणवत्ता वाली निःशुल्क शिक्षा, स्वास्थ्य-देखभाल सेवाएँ, पोषण और बाल-देखभाल सेवाओं में निवेश बढ़ाया जाए। इससे प्रारंभ में ही असमानताओं को कम किया जा सकेगा और अवसर सृजित होंगे।
- धन पुनर्वितरण कार्यक्रम: नकद अंतरण (कैश ट्रांसफर), पेंशन, और बेरोजगारी भत्तों के माध्यम से संसाधनों को सबसे निर्धन आबादी तक पहुंचाया जाए।
- लैंगिक समानता सुनिश्चित करने हेतु उपाय करना: वहनीय बाल-देखभाल सेवाएँ, मातृत्व-पितृत्व अवकाश (Parental leave), महिलाओं को पुरुषों के समान वेतन और भेदभाव-रोधी कानूनों को लागू किया जाए। इससे महिलाओं पर पड़ने वाले अवैतनिक देखभाल कार्य (Unpaid care work) के बोझ को कम किया जा सकेगा।
- स्वामित्व या जिम्मेदारी आधारित जलवायु नीति: सबसे अधिक धनी लोग सबसे अधिक जलवायु परिवर्तन के लिए जिम्मेदार हैं। इसलिए जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु दी जाने वाली सब्सिडी के साथ अधिक उत्सर्जन पर प्रगतिशील कर लगाया जाए।
 - ⊕ निजी क्षेत्र की बजाय सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा हरित (ग्रीन) निवेश को प्राथमिकता दी जाए ताकि नेट-ज़ीरो उत्सर्जन के लक्ष्य प्राप्त हो सके और संपत्ति का संकेंद्रण न बढ़े।
- अंतरराष्ट्रीय वित्तीय-प्रणाली में सुधार करना: एक वैश्विक मुद्रा और केंद्रीकृत क्रेडिट प्रणाली लागू की जाए। साथ ही, आधिक्य कर (सरप्लस टैक्स) का उपयोग विकासशील देशों में सामाजिक क्षेत्र में निवेश में किया जाए।

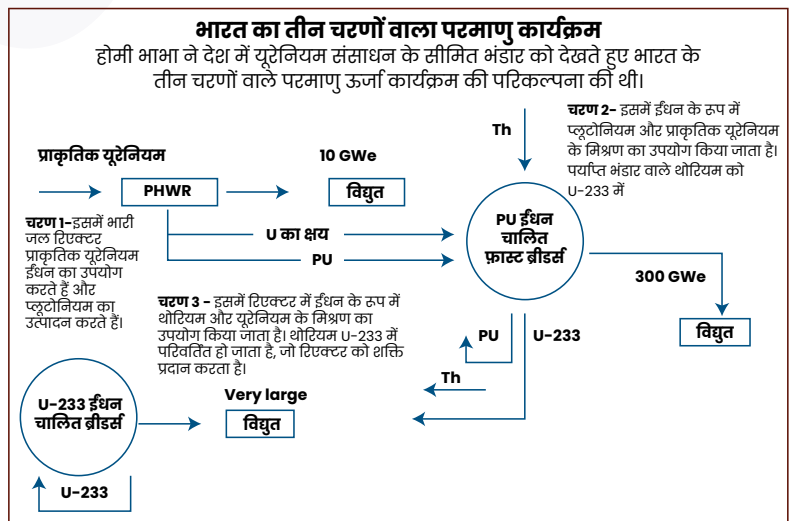
वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का परमाणु ऊर्जा उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE) के अनुसार, न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL) ने वित्त वर्ष 2024-25 में 50 अरब यूनिट्स (BUs) का उत्पादन आंकड़ा पार कर लिया है। NPCIL के परिचालन इतिहास में पहली बार यह उपलब्धि हासिल हुई है।

- इससे लगभग 49 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को रोकने में मदद मिली है।

भारत में परमाणु ऊर्जा

- भारत ने एक लि-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम अपनाया है (इन्फोग्राफिक देखें)।
- वर्तमान स्थिति: जुलाई 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार परमाणु ऊर्जा कुल उत्पादित विद्युत में लगभग 3% का योगदान देती है।
- लक्ष्य: 2047 तक 100 गीगावाट (GW) परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करना।
- भारत में परमाणु ऊर्जा को आगे बढ़ाने के लिए प्रमुख पहलें
- परमाणु ऊर्जा मिशन: इसे केंद्रीय बजट 2025-26 में प्रस्तुत किया गया था। यह स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स (SMRs) के अनुसंधान एवं विकास (R&D) पर केंद्रित है।
 - ⊕ SMRs उन्नत परमाणु रिएक्टर्स हैं। इनकी विद्युत उत्पादन क्षमता 300 मेगावाट (MW) प्रति यूनिट तक होती है। यह पारंपरिक परमाणु ऊर्जा रिएक्टर्स की उत्पादन क्षमता का लगभग एक तिहाई है।
- भारत स्मॉल रिएक्टर्स (Bharat Small Reactors: BSRs) का विकास: BSRs 220 मेगावाट के प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर्स (PHWRs) हैं। ये सुरक्षा और प्रदर्शन की दृष्टि से प्रमाणित रिएक्टर्स हैं।
 - ⊕ PHWRs, प्राकृतिक यूरेनियम से संचालित होते हैं। इनमें भारी जल (D₂O) का उपयोग मंदक (Moderator) और शीतलक (Coolant) के रूप में किया जाता है।
- क्षमता वृद्धि की दिशा में प्रमुख उपलब्धियां:
 - ⊕ गुजरात के काकरापार में स्वदेशी रूप से निर्मित 700 MWe के PHWR की पहली दो इकाइयों (KAPS- 3 और 4) ने वित्त वर्ष 2023-24 में वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर दिया है।
 - ⊕ माही बांसवाड़ा राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना (MBRAPP) का शुभारंभ किया गया है, जो 4 x 700 MWe PHWR है।
 - ⊕ रावतभाटा परमाणु ऊर्जा परियोजना (RAPP) यूनिट 7: यह तीसरी स्वदेशी 700 MWe PHWR है। इसने 2025 में व्यावसायिक रूप से परिचालन आरंभ कर दिया है।



ओपनएआई (OpenAI) के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने बच्चों के पालन-पोषण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का बढ़ता उपयोग यह सवाल उत्पन्न कर रहा है कि बच्चों के पालन-पोषण (पैरेंटिंग) में AI के उपयोग के क्या लाभ और खतरे हो सकते हैं।

बच्चों के पालन-पोषण में AI के उपयोग से लाभ

- **संज्ञानात्मक कौशल (Cognitive Skills)** में सुधार: AI “सभी के लिए एक जैसी” पद्धति की बजाय व्यक्ति विशेष की आवश्यकता के अनुसार शिक्षा प्रदान कर सकता है।
⊕ उदाहरण के लिए: COSMO जैसे AI-संचालित खिलौने बच्चों की रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ाते हैं।
 - **माता-पिता का बोझ कम करना:** AI मॉडल्स भाषा सीखने, कहानी सुनाने जैसे कार्यों में मदद करके, माता-पिता के घरेलू कार्यों और नौकरी संबंधी दायित्वों में समन्वय सुनिश्चित कर सकते हैं।
 - **बच्चों की निगरानी:** AI बेहतर निगरानी के माध्यम से बच्चों की शारीरिक सुरक्षा और डिजिटल प्लेटफॉर्म की गलत गतिविधियों से सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है।
⊕ उदाहरण के लिए: ‘Cubo Ai स्मार्ट बेबी मॉनिटर’ माता-पिता को फोन पर अलर्ट सन्देश भेजता है।
- बच्चों के पालन-पोषण में AI के उपयोग के खतरे
- **आलोचनात्मक चिंतन (Critical thinking) कम होना:** AI पर अधिक निर्भरता बच्चों में चिंतन की क्षमता को कम कर सकती है।
⊕ उदाहरण के लिए: कुछ विशेष प्रकार की विचारधारा वाले कंटेंट (थॉट फिल्टर बबल) को प्रस्तुत करके बच्चों की आत्म-अभिव्यक्ति को सीमित की जा सकती है।
 - **सामाजिक रूप से अलग-थलग होना:** AI के अधिक उपयोग से आमने-सामने की वार्ता और मित्रता कम हो सकती है। यह स्थिति अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने और समानुभूति (Empathy) कौशल विकसित करने में बाधक सिद्ध हो सकती है।
 - **निजता (प्राइवेसी) के उल्लंघन से जुड़े खतरे:** उपलब्ध डेटा के आधार पर माता-पिता में बच्चों के पालन-पोषण की प्रवृत्ति बढ़ रही है। ऐसे में, सही से तैयार नहीं किए गए या कमजोर विनियमन वाले AI सिस्टम्स के दुरुपयोग या हैक होने से माता-पिता की स्वायत्तता भंग हो सकती है और डिजिटल माध्यम से उनका शोषण हो सकता है।
 - **अल्गोरिदमिक पक्षपात और गलत जानकारी:** अक्सर AI पाश्चात्य और मध्यमवर्गीय पालन-पोषण वाले मॉडल्स को प्राथमिकता देता है। यह अन्य संस्कृतियों की पद्धतियों को कमतर आंकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इन मॉडल्स को पक्षपातपूर्ण इंटरनेट डेटा के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है।

निष्कर्ष

AI उपकरण माता-पिता और बच्चों, दोनों के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं, हालांकि, इनके अपने खतरे हैं। ये AI पर इतनी निर्भरता बढ़ा सकते हैं कि आवश्यक कौशल को कमजोर कर दे। इसलिए, AI का उपयोग सहायक उपकरण के रूप में होना चाहिए—जो माता-पिता और बच्चे के बीच संबंध को मजबूत करे, न कि उसकी जगह ले।

अन्य सुर्खियां



RAMBHA-LP

RAMBHA-LP चंद्रयान-3 लैंडर का पेलोड है। इसके डेटा से पता चला है कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में एक सक्रिय प्लाज्मा वातावरण है।

- प्लाज्मा विद्युत रूप से उदासीन होती है। इसे अक्सर पदार्थ की चौथी अवस्था कहा जाता है। प्लाज्मा गर्म और आवेशित गैस है, जो धनात्मक आयनों तथा मुक्त गति वाले इलेक्ट्रॉन्स से बनी होती है।

RAMBHA-LP (रेडियो एनाटॉमी ऑफ मून बाउंड हाइपरसेंसिटिव आयनोस्फियर एंड एटमोस्फियर- लैंगमुइर प्रोब) के बारे में

- **डिज़ाइन:** यह लैंडर के हस्तक्षेप से बचने के लिए बूम पर लगे एक अतिसंवेदनशील लैंगमुइर प्रोब का उपयोग करता है।
- **उद्देश्य:** चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के आसपास निकट-सतही प्लाज्मा वातावरण में इलेक्ट्रॉन घनत्व और इलेक्ट्रॉन तापमान को मापना।



दिल्ली रिज

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने दिल्ली रिज प्रबंधन बोर्ड (DRMB) का पुनर्गठन किया। इसी के साथ ही, इसे वैधानिक शक्तियां भी प्रदान की गईं।

दिल्ली रिज के बारे में

- यह दिल्ली के केंद्र में एक शुष्क पर्णपाती वन भूमि और 1,500 मिलियन वर्ष पुरानी अरावली पर्वतमाला का विस्तार है।
- यह लगभग 8,000 हेक्टेयर में फैली हुई है। इसे 4 जोन्स में विभाजित किया गया है। ये हैं- उत्तरी रिज, दक्षिणी रिज, मध्य रिज और दक्षिण-मध्य रिज।
- महत्त्व: यह दिल्ली को राजस्थान के रेगिस्तान की गर्म पवनों से बचाता है। इसलिए इसे ‘दिल्ली के फेड़ें’ उपनाम दिया गया है। यहां 100 से अधिक पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं।



ग्रेट बैरियर रीफ

एक नए अध्ययन में पाया गया है कि अत्यधिक गर्मी और एक दुर्लभ कोरल रोग के कारण ग्रेट बैरियर रीफ की एक साइट पर गोनियोपोरा (Goniopora) कॉलोनियों के तीन-चौथाई हिस्से नष्ट हो गए हैं।

ग्रेट बैरियर रीफ के बारे में

- **अवस्थिति:** क्वींसलैंड (ऑस्ट्रेलिया) के तट पर, कोरल सागर में।
- **जैव विविधता:** इसमें 400 प्रकार के प्रवाल (कोरल), मछलियों की 1,500 प्रजातियां और 4,000 प्रकार के मोलस्क के साथ विश्व का सबसे बड़ा प्रवाल भित्ति (कोरल रीफ) संग्रह है। ग्रेट बैरियर रीफ अंतरिक्ष से दिखाई देती है।
⊕ इसमें डुगोंग (‘समुद्री गाय’) और बड़े हरे कछुए जैसी प्रजातियां भी पाई जाती हैं, जो विलुप्ति के खतरे का सामना कर रही हैं।
- यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भी है।



राष्ट्रीय क्वांटम संचार हब

आईआईटी मद्रास ने राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (NQM) के तहत अपने परिसर में भारत के राष्ट्रीय क्वांटम संचार हब का उद्घाटन किया।

राष्ट्रीय क्वांटम संचार हब के बारे में

- **लक्ष्य:** क्वांटम सुरक्षित संचार में राष्ट्रीय क्षमताओं में वृद्धि करना। इससे उन्नत क्वांटम कंप्यूटरों से संभावित खतरों के खिलाफ भारत की डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा हो सकेगी।
- यह हब क्वांटम कुंजी वितरण (QKD) नेटवर्क्स, पोस्ट-क्वांटम सुरक्षा, क्वांटम मेमोरी एंड रिपीटर्स तथा उपग्रह-आधारित क्वांटम संचार पर ध्यान केंद्रित करेगा।
- यह सह-विकास कार्यक्रमों, बड़े पैमाने पर टेस्टबेड्स (परीक्षण केंद्र) और डीप-टेक स्टार्ट-अप समर्थन को भी बढ़ावा देगा।



GlowCas9

भारतीय वैज्ञानिकों ने GlowCas9 विकसित किया है। यह एक CRISPR प्रोटीन है, जो जीन एडिटिंग करते समय चमकता है।

GlowCas9 के बारे में

- यह Cas9 का एक जैव-प्रकाश-दीप्ति (bioluminescent) संस्करण है। इसे Cas9 को गहरे समुद्र के झींगे के प्रोटीन से प्राप्त एंजाइम के साथ मिश्रित करके निर्मित किया गया है।
- यह चमकने की विशेषता कोशिकाओं, ऊतकों आदि को नुकसान पहुंचाए बिना जीवित कोशिकाओं में CRISPR क्रियाओं की निगरानी करने में सक्षम बनाती है।
 - ⊕ CRISPR/ Cas9 एक जीन-एडिटिंग तकनीक है। यह DNA अनुक्रम के अनुभागों को हटाने, जोड़ने या बदलने में सक्षम बनाती है।
 - ⊕ Cas9 एंजाइम DNA के स्ट्रैंड्स को काटने के लिए 'आणविक कैंची' की एक जोड़ी के रूप में कार्य करता है।



एशियाई विकास बैंक (ADB)

एशियाई विकास बैंक (ADB) ने वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत के संवृद्धि पूर्वानुमान को 6.5% से बढ़ाकर 7.2% कर दिया।

ADB के बारे में (मुख्यालय: मनीला, फिलीपींस)

- स्थापना: ADB की स्थापना 1966 में की गई थी। इसे एशिया व प्रशांत क्षेत्र में सतत, समावेशी और लोचशील विकास का समर्थन करने वाले एक प्रमुख बहुपक्षीय विकास बैंक के रूप में स्थापित किया गया है।
- सदस्य: 69 सदस्य (एशिया और प्रशांत क्षेत्र से 50)
 - ⊕ भारत एक संस्थापक सदस्य है।
- ADB के पांच सबसे बड़े शेयरधारक देश (क्रम से) हैं: 31 मई, 2025 तक की स्थिति के अनुसार- जापान (15.6%), संयुक्त राज्य अमेरिका (15.6%), पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (6.4%), भारत (6.3%) और ऑस्ट्रेलिया (5.8%)।



न्यायालय की अवमानना (Contempt of Court)

हाल ही में, उच्चतम न्यायालय ने टिप्पणी की है कि आपराधिक अवमानना के लिए दंडित करने की शक्ति न्यायाधीशों के लिए आलोचना को दबाने हेतु "व्यक्तिगत कवच" नहीं है।

- न्यायालय ने ज़ोर देकर कहा कि दंडित करने की शक्ति में अनिवार्य रूप से क्षमा करने की शक्ति भी निहित है।

न्यायालय की अवमानना के बारे में

- विधायी ढांचा: यह न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971 के तहत परिभाषित है। यह अधिनियम इसे निम्नलिखित दो प्रकारों में वर्गीकृत करता है:
 - ⊕ सिविल अवमानना: किसी न्यायालय के निर्णय, डिक्री, निर्देश, आदेश, रिट या अन्य प्रक्रिया की जानबूझकर अवज्ञा करना।
 - ⊕ आपराधिक अवमानना (Criminal Contempt): कुछ भी प्रकाशित करना या बोल कर, लिख कर, संकेत आदि द्वारा ऐसा कृत्य करना, जो न्यायालय के प्राधिकार को कम करता हो, कार्यवाही में हस्तक्षेप करता हो आदि।
- संबंधित संवैधानिक प्रावधान:
 - ⊕ अनुच्छेद 129: उच्चतम न्यायालय को 'अभिलेख न्यायालय' (Court of record) का दर्जा देता है। साथ ही, यह सुप्रीम कोर्ट को स्वयं की अवमानना के लिए किसी को भी दंडित करने की शक्ति प्रदान करता है।
 - अनुच्छेद 215 उच्च न्यायालयों को भी समान शक्तियां प्रदान करता है।



येलो लाइन

इजरायली सैन्य प्रमुख ने इजरायल और गाज़ा के बीच की येलो लाइन को नई सीमा कहा। येलो लाइन के बारे में

- येलो लाइन उस क्षेत्र को चिह्नित करती है, जहां से 2025 में अमेरिका समर्थित युद्धविराम के तहत इजरायली सेनाएं पीछे हट गई थीं।
- यह गाज़ा को दो भागों में विभाजित करती है, अर्थात्
 - ⊕ इजरायल-नियंत्रित पूर्वी क्षेत्र और
 - ⊕ फिलिस्तीन-प्रशासित पश्चिमी क्षेत्र।

सुर्खियों में रहे व्यक्तित्व

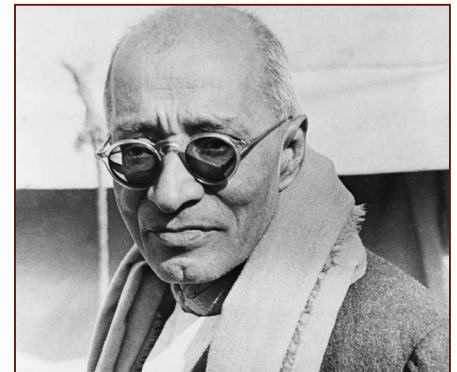


चक्रवर्ती राजगोपालाचारी (1878-1972)

चक्रवर्ती राजगोपालाचारी को उनकी जयंती पर याद किया गया।

सी. राजगोपालाचारी के बारे में

- ये लोकप्रिय रूप से राजाजी के नाम से जाने जाते थे। इनका जन्म 10 दिसंबर को थोरापल्ली (तमिलनाडु) में हुआ था।
- वे एक प्रसिद्ध वकील, समाज सुधारक और एक सक्षम प्रशासक थे।
- प्रमुख योगदान:
 - ⊕ गांधीजी के साथ वार्ता के बाद (1919) उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के लिए कार्य करने हेतु अपने कानूनी पेशे को छोड़ दिया था।
 - गांधी ने उन्हें 'मेरे अंतःकरण का रक्षक' कहा था।
 - ⊕ इन्होंने रोलेट एक्ट विरोध, असहयोग आंदोलन, वायकोम सत्याग्रह और सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लिया था।
 - ⊕ वर्ष 1930 में नमक कानून तोड़ने के लिए वेदरारण्यम मार्च का नेतृत्व किया था।
 - ⊕ स्वतंत्रता के बाद:
 - 1950 तक भारत के अंतिम और एकमात्र भारतीय गवर्नर-जनरल रहे थे।
 - तमिलनाडु के मुख्यमंत्री (1952-54) रहे थे।
 - स्वतंत्र पार्टी का गठन किया था।
- पुरस्कार: 1954 में भारत रत्न।
- प्रमुख लेखन: रामायण - चक्रवर्ती तिरुमगन (तमिल)।
- मूल्य: देशभक्ति, सत्यनिष्ठा, गरिमा, आदि।



अहमदाबाद



भोपाल



चंडीगढ़



दिल्ली



जयपुर



जोधपुर



गुवाहाटी



हैदराबाद



लखनऊ



प्रयागराज



पुणे



राँची



सीकर